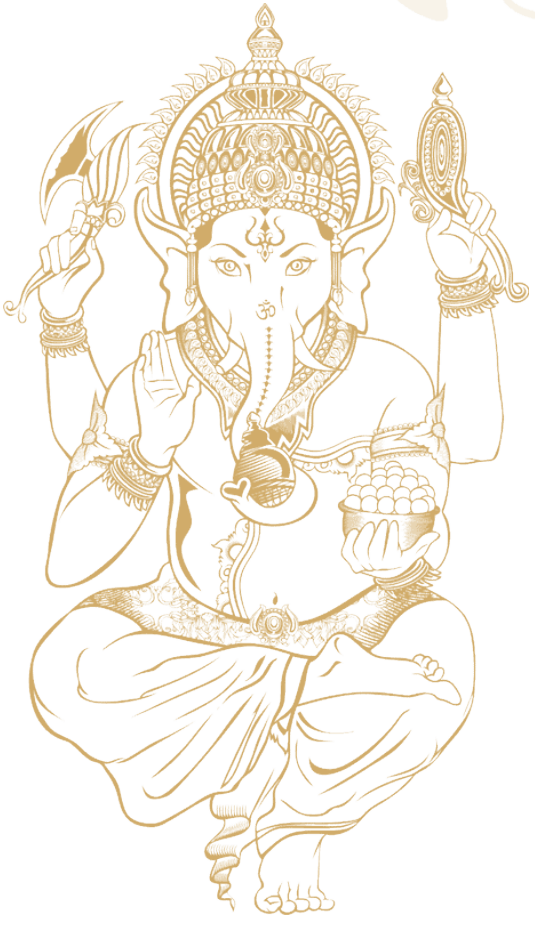

Mr.RAVIRANJAN

25 Nov 2025

07:44 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 120321302

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**25/11/2025**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**19:44:00 घंटे**
इष्ट	32:09:50 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	19:22:52 घंटे
वेलान्तर	00:13:01 घंटे
साम्पातिक काल	23:41:58 घंटे
सूर्योदय	06:52:04 घंटे
सूर्यास्त	17:24:17 घंटे
दिनमान	10:32:14 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	09:20:46 वृश्चिक
लग्न के अंश	14:04:08 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**उत्तराषाढ़ा - 4**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	वृद्धि
करण	बालव
गण	मनुष्य
योनि	नकुल
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	सिंह
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	जी-जीवन
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	14:04:08	320:04:57	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	बुध	---
सूर्य			वृश्चि	09:20:46	01:00:42	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	मित्र राशि
चंद्र			मक	07:49:24	12:20:37	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	सम राशि
मंगल			वृश्चि	21:04:41	00:44:13	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	स्वराशि
बुध	व		तुला	28:06:15	00:47:07	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	मित्र राशि
गुरु	व		कर्क	00:36:38	00:02:46	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	मंगल	उच्च राशि
शुक्र			तुला	29:10:53	01:15:24	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	सूर्य	स्वराशि
शनि	व		मीन	00:56:37	00:00:17	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	मंगल	सम राशि
राहु	व		कुंभ	20:12:09	00:05:01	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	20:12:09	00:05:01	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	गुरु	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	05:03:19	00:02:30	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप	व		मीन	05:12:56	00:00:30	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	---
प्लूटो			मक	07:34:18	00:01:10	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	---
दशम भाव			मीन	00:52:14	--	पू०भाद्रपद	--	25	गुरु	गुरु	मंगल	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:12

लग्न-चलित

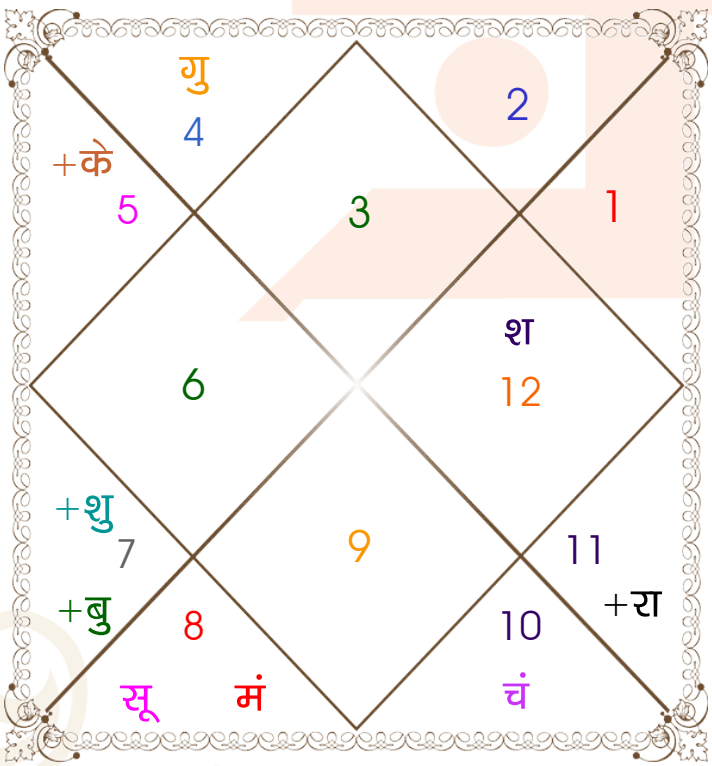

चन्द्र कुंडली

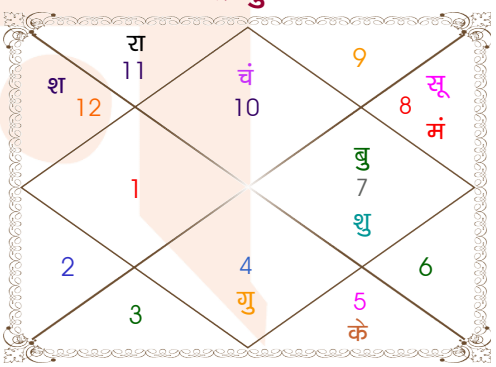

नवमांश कुंडली

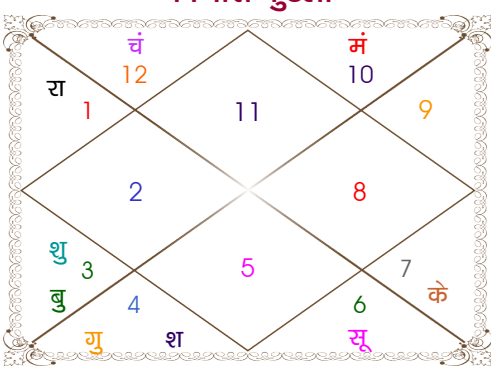

MAA MATANGI FALIT JYOTISH KENDRA
Gayatri nagar near G L A college daltonganj
Palamu jharkhand (822102)
Call-6201143328 what's-7061110945
pt.raviranjanprabhu108@gmail.com

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 0 वर्ष 11 मास 22 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
25/11/2025		18/11/2026		18/11/2036		18/11/2043		18/11/2061	
18/11/2026		18/11/2036		18/11/2043		18/11/2061		18/11/2077	
	00/00/0000	चंद्र	18/09/2027	मंगल	16/04/2037	राहु	01/08/2046	गुरु	06/01/2064
	00/00/0000	मंगल	19/04/2028	राहु	04/05/2038	गुरु	24/12/2048	शनि	19/07/2066
	00/00/0000	राहु	18/10/2029	गुरु	10/04/2039	शनि	31/10/2051	बुध	24/10/2068
	00/00/0000	गुरु	17/02/2031	शनि	19/05/2040	बुध	19/05/2054	केतु	30/09/2069
	00/00/0000	शनि	18/09/2032	बुध	16/05/2041	केतु	07/06/2055	शुक्र	31/05/2072
	00/00/0000	बुध	17/02/2034	केतु	12/10/2041	शुक्र	07/06/2058	सूर्य	19/03/2073
	00/00/0000	केतु	18/09/2034	शुक्र	12/12/2042	सूर्य	01/05/2059	चंद्र	19/07/2074
	25/11/2025	शुक्र	19/05/2036	सूर्य	19/04/2043	चंद्र	30/10/2060	मंगल	25/06/2075
शुक्र	18/11/2026	सूर्य	18/11/2036	चंद्र	18/11/2043	मंगल	18/11/2061	राहु	18/11/2077

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
18/11/2077		18/11/2096		19/11/2113		19/11/2120		19/11/2140	
18/11/2096		19/11/2113		19/11/2120		19/11/2140		26/11/2145	
शनि	21/11/2080	बुध	16/04/2099	केतु	17/04/2114	शुक्र	20/03/2124	सूर्य	08/03/2141
बुध	01/08/2083	केतु	13/04/2100	शुक्र	17/06/2115	सूर्य	20/03/2125	चंद्र	07/09/2141
केतु	09/09/2084	शुक्र	12/02/2103	सूर्य	23/10/2115	चंद्र	19/11/2126	मंगल	13/01/2142
शुक्र	09/11/2087	सूर्य	20/12/2103	चंद्र	23/05/2116	मंगल	19/01/2128	राहु	07/12/2142
सूर्य	21/10/2088	चंद्र	20/05/2105	मंगल	19/10/2116	राहु	19/01/2131	गुरु	26/09/2143
चंद्र	23/05/2090	मंगल	17/05/2106	राहु	07/11/2117	गुरु	19/09/2133	शनि	07/09/2144
मंगल	01/07/2091	राहु	04/12/2108	गुरु	14/10/2118	शनि	19/11/2136	बुध	14/07/2145
राहु	07/05/2094	गुरु	12/03/2111	शनि	22/11/2119	बुध	19/09/2139	केतु	19/11/2145
गुरु	18/11/2096	शनि	19/11/2113	बुध	19/11/2120	केतु	19/11/2140	शुक्र	26/11/2145

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 0 वर्ष 11 मा 20 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के तृतीय चरण में, मिथुन लग्न, कुंभ नवमांश एवं तुला के द्रेष्काण के उदयकाल में हुआ था। वर्तमान काल के प्रभाव से यह स्पष्ट होता है कि आपका व्यक्तित्व विचित्र विलक्षणता से युक्त है। कुछ काल के पश्चात् मिथुन प्रभाव से आप तानाशाही प्रवृति के हो जाएंगे। आप अपनी पत्नी/पति पर प्रभुत्व जमाएंगे। कुंभ नवांश के प्रभाव से यह चित्रित हो रहा है कि आपका स्वभाव विनम्र होगा। आप अपने कार्य-कलाप का ज्ञान मात्र अपने ध्यान में रख कर किस प्रकार कार्य संपादन किया जाए। उसी प्रकार नियम पूर्वक संपादित करेंगे।

निसंदेह आप अपना पारिवारिक जीवन शांति पूर्वक एवं आनंददायक ढंग से बिताना चाहते हैं। आप अपने निवास स्थान पर रह कर, अपने व्यवसाय संबंध स्थापित करना चाहते हैं। आप चाहते हैं कि आपकी पत्नी आपकी वासनात्मक प्रवृत्ति की अनदेखी कर दे। यदि जीवन संगिनी निष्ठुरता पूर्वक आपमें कुकृत्यों को प्रमाणित कर लें तथा उग्र रूप धारण कर ले। पुनः आप अपने चयनित जीवन को व्यवस्थित कर लेंगे, वही उत्तम होगा। इसके संबंध में आपको अधिक सावधानी पूर्वक व्यवहार करना चाहिए। अच्छी बात तो यह होगी यदि आप चाहते हैं कि मेरी धर्मपत्नी जीवन संगिनी सर्वोत्कृष्ट हो, तो आप उस राशि लग्न वालों के साथ संबंध स्थापित करें कि जिसका जन्म लग्न या राशि तुला मेष, सिंह अथवा कुंभ राशि का प्राणी हो। इस प्रकार की प्रवृत्ति आपके पारिवारिक जीवन को संतुलित रखने में सुनिश्चितता प्रदान करने में सहायक हो सकता है।

बहुधा आर्द्रा नक्षत्रीय प्राणी की प्रवृत्ति हिंसात्मक होती है और ये कृतघ्न हुआ करते हैं। ये अनैतिकता एवं दूसरों को पीड़ित करने की प्रवृत्ति को त्याग दें। अन्यथा इस प्रकार के रूझान को सुव्यवस्थित नही कर सके तो प्रोत्साहन के बिना सदैव ही बहुत अधिक धनोपार्जन की महत्वाकांक्षा समाप्त हो जाएगी।

मिथुन राशि का प्राणी निरंतर व्यग्र रहता है, यह एक आवश्यक विषय है। ये किसी भी विषय वस्तु की प्राप्ति हेतु विद्युत गति से कार्यरंभ करना चाहते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते ही शीघ्रता पूर्वक परिणम प्राप्त करना चाहते हैं। ये अपनी दिनचर्या, विधि एवं विधान के संपादन हेतु अपने समय का उपभोग नही कर पाते हैं। अनुकूल परिणाम प्राप्ति हेतु निश्चय पूर्वक अपनी नियमित आदतों के अनुसार व्यवसाय को परिवर्तितकर शीघ्रता पूर्वक लाभ प्राप्त करना चाहते हैं। ये किसी भी प्रकार को निश्चित कार्य या पद संभालने में तथा कार्यरूप देने में असमर्थ हो जाते हैं।

यदि ये इस प्रकार की अपनी बुरी आदतों को छोड़ दें तो मुख्यतः 26 वर्ष की आयु से अपने उज्जवल भविष्य की ओर अपने जीवन को अग्रसर कर सकते हैं। अर्थात् अच्छी प्रकार जीवन व्यतीत हो सकता है। मिथुन लग्न राशि प्रभावित प्राणी के लिए अनुकूल कार्य, सेवा अथवा व्यवसाय के लिए पुस्तक संबंधी कार्य, विज्ञापन एवं प्रचार-प्रसार कार्य व्यवसाय अनुकूल है। यदि ये इनमें से कोई भी कार्य अपना लें तो वे पूर्णरूपेण उन्नतिशील एवं समृद्ध हो सकते

हैं।

मिथुन राशि वालों को कुछ भयानक रोग जैसे स्वर भंग रोग, क्षय रोग, दमा आदि रोगों के विरुद्ध सतर्क एवं रक्षित रहना चाहिए। ऐसे व्यक्ति यदा-कदा मुर्छित हो जाते हैं। क्योंकि ये एकनिष्ट होकर कठिन श्रम करते-करते उत्तेजना पूर्वक जीवन बिताने लगते हैं। इन्हें बुद्धिमत्ता पूर्वक शांति ग्रहण कर पूर्ण रूपेण विश्राम एवं शयन करना चाहिए।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है। आपके लिए अंक 3 एवं 5 अंक शुभ एवं उत्तम है। अंक 8 एवं 4 अंक त्याज्यनीय है।

साथ ही लाल रंग एवं काले रंग को अस्वीकृत करें। यद्यपि रंग बैगनी, नीला हरा एवं पीला रंग आपके लिए अनुकूल एवं व्यवहारणीय है।